

ॐ हविर्नमो भूतनाथस्य ॥ सा हि देवकन्या सत्यसूक्तं ॥ १ ॥ ॐ नमो
भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥
मरुतस्य ध्यात्वा रवज्जवायादि आविर्गन्तुं नन्दनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥
ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥
ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥

मा षष्ठि सा वज्रकिनि वज्रज को शिद्वनीय आ का श वा यु म
 दिनी स्मा क व नी आ ग नी स वा का म ॥ ३ ॥ ह नी य ओ
 कौं अ वौ यै व न य अग्रि ल स न द वौ नि व द क द रु क
 प्रत्या वा ध ना श च नु व स च नु व ल्य कौ य वा क ना दि त्र स
 अ ल्य ध क च ड स न ना था ॥ ४ ॥ च नु ड न स द न वा धि स
 वा ग्ला य व द दि नि र

ल व ना द्या व पा रु अ द्वा रि अ न स्म सा ने श ज कार्म व म शु
 ल प द कि धा गु व पा द नि च य ध ना ड का व व जा ॥ ५ ॥
 ॥ ६ ॥ अ य वि द्वा न क ह का व स ज न श म ज म ख म म व
 नि आ लि रु प द स ॥ ७ ॥ न मा मि च क म ख को रु वा या
 र शी व क नी ल व धू रि ग ल के ॥ १ ॥ व ट रु ज द दि न

२
 अ य वि द्वा न क

॥२॥

कविकिञ्जुङ्गमन् ॥ वामकपायपाअखङ्गीगधया ॥ १ ॥
मधुमालयासुचन्मिलम्भादवाश्दअदिममालविध्वंसन
वीना ॥ ५ ॥ अद्विसिद्धिवयोवैष्णविनाअनश्गावकिहं
काववज्जगीता ॥ ६ ॥ ॥ रागम ॥ स्थिमधुल
माय्यदिरुज्जकमखश्नयमकुठकअशिननयना ॥

॥३॥
॥४॥
॥५॥

॥३॥ नमामि श्रीवृद्धताकिनीवृष्टिपुवनम्वयीश्चाद्वि
सिद्धिदवीमात्रोरुलपसादा ॥ १ ॥ दाडिदिनकुलिम
धयवामकयषयेश्वकयूपादवीगगमवासिनी ॥ २ ॥
यत्वपूवनीवासकडदिया नपाठश्चाविद्याधवीद
वीसवनववदिता ॥ ३ ॥ शक्युप्रसादश्रीसिद्धि

२७
॥ १५ ॥

वेङ्गनाशकचक्रमायुसिद्धिवयपुसादा॥ ५ ॥
नागानि वद॥ नृखयानिवेङ्गननृद्वयनृपमगगनक
मलमाङ्गसाधनाशून्यनाविलासिनयायश्चिचिदा
विष्णुमविदसमजाधिन॥ ६ ॥ नमामिनिवायैरुनि
वाक्यसुखवदहृदयभसंघापिना॥ सवदचदसमन

जयकाशिकङ्कलकवेदसमघापिना॥ १ ॥ षष्ठंगडा
गवयसाधिवचकवर्तिमन्ममलसमतायनाशनिर्म
लहिदयावकध्यापिनत्रादिनिजिकङ्कमयसाधना
॥ ३ ॥ नार्दनेयवमानदविवमासदङ्गावतुमानद
इसंरुवाश्यवमाविवमायिनद्यादिदमदासुखसग

वसं पद प्रापिना ॥ ४ ॥ देवदु का वच कु शी व कु सं व च
त्र न न का णि सि द्वा पा न ग र श्च ह न श दि या न पू र्ण ग
वि जा नं ध व प्र र म द्य स ख ज्ञा न ह ॥ ५ ॥ ॐ ॥ वा
ग मा न व ॥ १ ॥ नि रु रु व ॥ अ व ध व ह वृ व या या र श्च ह न ग म
न जा मि ष यि स ॥ ६ ॥ ॐ ॥ नै नं दा दि द व द्य वि अ न

द दी द वा र प वि ना व य मि ह वृ द्य ग म न सं पू र्ण ॥ १ ॥ पू
व्वा सि न दि रु वृ नि रु कू वं ह वृ व र स वा वि अ न द्य वि श
यि सं द्य द ॥ २ ॥ शी व दि यो ल ज्ञा ल यि च मु वि र श्च गी न
अ नं का का व व यि वा इ न ॥ ३ ॥ आ लि का लि द यि वा
द ध वं ल र च ज्ञा नि मि ग म न गि न ॥ ४ ॥ यो यि स ज

किनी जदय सुरु वर का दिक कम व कूलि वा डं न ॥ ५ ॥
 यस्मा विद्या विद्यो विवना विर च उजा गिनि सम व सुरु
 वा ॥ १ ॥ ॐ ॥ **नमो भगवते** ॥ गज मुख निनयानि काधुवव
 लव न नृत्वा धि पति गल स्य वा २ म मिय कू यत्वा रु स ना
 न नृनि कि व न सं का सा ॥ ५ ॥ मा यि या वि द्यु मा यि या द

र्थ मा यि या इ ख वि ना स न र मा यि या मा या मा य सं शा सा
 म नृ व से वे इः ख ना मि ना ॥ १ ॥ य व स्र वा ना कू भ व ड
 उ व जू रि शि व वा स द दि न क वा २ म स व ध नृ पा भ व डी
 उ व य व क वा हि वा भी ॥ ३ ॥ वि चि त्र व कू क रू क थि
 व सा ड ना इ कू म नि मू क ना श व वा द व क ल धि क ल म्बा द

से वा का
 जे नृ म्बा ॥ १ ॥

वसन्तः पायनः शीतः शीतः वाङ्मनः ॥ ५ ॥ यत्ना नयेरु
 नत्रवाङ्मनः मुखः कमलः जगत्सुखायादिना दत्तान
 मसुखदा नानामा मुद्रग धाधियानि ॥ ७ ॥ ॐ ॥ **मगना**
८ ॥ नमामि शक्तिन च मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध
 मन्त्रि धातु वागि अत्र ॥ ६ ॥ नमामि शक्तिन च मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध

नमामि शक्तिन च मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध

६१ दशमि शक्तिन च मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध
 १ ॥ स्वयं मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध
 २ ॥ स्वयं मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध
 ३ ॥ स्वयं मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध
 ४ ॥ स्वयं मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध
 ५ ॥ स्वयं मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध
 ६ ॥ स्वयं मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध
 ७ ॥ स्वयं मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध
 ८ ॥ स्वयं मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध
 ९ ॥ स्वयं मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध
 १० ॥ स्वयं मन्त्रि धातु स्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वृध

याया२ या जाधि वाड आन वड म ह्ये दवा॥ ५ ॥ शिव सा
या यव धूद रु आ वा यश्च रु न यि वा क व रु स ना सु य वि॥ ६ ॥
॥ ॐ ॥ २ वा ग ॥ ध न म् ॥ स र्वा का मा म हा सु ख रु व च उ त्ता
न ड द हा श वि रु व न रु य य म हा सु ख रा या व ड सु यि द
यि म यि या ॥ ३ ॥ न वा प नि ना न वू न यि ना वि रु व न च क

॥ ॥ स नू यि २ स र्वा वि क ल्या वि धं स न द वा नू नू रु व ह्य नू व न
दा यानि॥ १ ॥ अ मि ता रु म धु व उ द या वा धि नि क ल्या न
वा मि व धा य २ क र्वा नि क वा वा ज्ञ द्वा ग धा यि प्र ह्य रु न व
व दा यानि॥ ३ ॥ दि ग व न म रु ट क म्भी रु कि रु द व का मि
॥ ४ ॥ नू व क म रु व वा य ल धा यी गा सू द न वा मि ला मा

ला॥ ५॥ सर्वकथागणजननादवाविनादिबलाव
नूलावाश्चावरुयागिनाचनधसिचंगनगावठिसम
वसवडा॥ ५॥ ॥ नागकाभादना ॥ अवनिनीहि
तजानुनीलसमदहाश्केकनविहायनिहीषमवदना
॥ ध्रु१॥ गनाहूहंगनाहूहूहूहूहूजातम्भूचलक्रावना

॥ निविडिगघडाकृमि साहिगमंग २ पाहा ॥ यक
ध्वनिशिरवहानाथ ॥ ॥ हनिहन्वप्रक्काङ्कद्वड
माना २ मानविषुदुमिहाप्रयद्वनध ॥ ॥ वि
विधिगनलीमीतिलकदहा २ जगनविवादीदिगवल
रुलदायक ॥ ॥ ॥ नागनिवेद ॥ कस

लविकासितथिगिरास्त्रकमूडपियवर्धुसमदहा
२ वरुनवदनकवनयदनपन्नृत्त्यभ्यनप्रकासि
गा॥ ३१॥ नन्नामिनमाभिमसीसीसकवमुद्यनाय
सर्वगुणैकैकानिदहनस्त्रानववपदसर्वरूप्यानि
द्विपाविता॥ २ ॥ यथमेकवदयवज्जयधधवमडा

ल्लिंभनवाजीकाशद्विदियांकुअधवरुनायस्त्रनरुंध
चतुर्थस्वभेसर्वववधवा॥ ३ ॥ मरुयमुज्जपाभुवन
धन्मिवापचतुर्थवामधुनपूरुकाशनेमकृट्पायुजलि
नकिंवियधनमभसर्वविंवा॥ ४ ॥ निर्वृद्धिहास्त्र
मिष्ठस्त्रमिष्ठसर्वहृष्टावविंपूसावाश्चक्रसवनासवना

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
विद्याविमलसंज्ञका ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
इदं योऽशिवलासा ॥ यक्ष ॥ मनाह्वयस्य ल ॥
न हृदय ॥ १ ॥ ॥ योऽशिवलासा ॥ यक्ष ॥ मनाह्वयस्य ल ॥
नमः कु ॥ मनाह्वयस्य ल ॥ ॥ धम्म चक्र म ॥ ॥

लिसंज्ञायिश्चंष्टुचापयियुक्तं सर्वं सुखम् ॥ ४ ॥
 सखासुवनमित्तं वैवनाशरुनयिपवसादिवङ्कः ॥
 नगुद्यययनं ॥ ५ ॥ **आगच्छेत्वा** ॥ मध्यमं नमो महामहं
 निकनकवाजिनं पूर्वविदह्वनं जूद्विपं ॥ जपवत्ताता
 यानि उक्तं वक्तुं नयनं यच्च वदुः पञ्चजिनव्याधिया
 वर

५॥ ६॥ नमो यक्षवद्विद्वत्सिजिनं विज्जुदि
 तं विज्जुत्तुनं पञ्चसुवनं ॥ जसद्विद्यानमो रूपाकिजि
 नसा नसा हवन्तु यानि मित्रघनधाय वयं ॥ ७ ॥
 जानवादा नमो या उवद्विपं नाडुद्विपानि जानुध्वानं
 स्वज्ञाननाडुवद्विपं चडादिगं नूत्याडुपाद्विपञ्ची
 पर

शिरुवदवधवसमस्तानदवीश्यादियानवधुगिनि
कासवयश्यादुतशुविशुद्धसद्युतनृत्ययनि ॥ १ ॥
वसुदलसुत्रादेववधर्मचक्रषाडदलसंशोर्गैर्गै
श्यागिंसतदलकैमलमदासुवचक्रकैकानवयपद्या
द्वयकनाथ ॥ २ ॥ ददनिजिनविद्यादितिनया

रुदनिशुवसूतधायानादयूपापिथादिदशरुमि
सुगतयैरुनिजिनस्तानदायनिविद्वन्मयी ॥ ३ ॥
दय्यमपनिविंम्वरुलरुचक्रापचभुदिनीशुमयै
नवजदवीशुजमजसभायुनरुपायसवेधदशु
निनासनमोशुपुदाना ॥ ४ ॥ ~~॥~~ ॥ रवागगधाय

सिद्धिप्रदायनी जगत्जननी ॥ १ ॥ पूर्वद्वयगतवक्
 वक्ष्ये गीशं नयामिनादवा नीलवदनी ॥ २ ॥
 वायव्यमाहिनादवा शाकवर्ध्वा श्यामसंकायि
 नादवा गोवर्ध्वा ॥ ३ ॥ नैऋत्यसंकायिनादवा
 हविर्गवर्ध्वा श्रद्धात्रिध्वंशिकादवा ध्रुववर्ध्वा

॥ ४ ॥ चतुर्मुखं नैऋत्यं च मूढारुद्रं शस्त्रवीजं
 हवनव्रतसिद्धिदं ॥ ५ ॥ ॥ वाग्वैद्यसंज्ञकं ॥
 अनिलजनलजलं जारुद्रमाश्रयं संशुलचक्रं
 वायव्यं श्रद्धां जलसंज्ञकं च संपादयिष्ये संशुल
 चक्रं वाया ॥ ६ ॥ ॥ जमवृक्षं च शंखां कवचं च

॥ ५ ॥

लिंगाद्यहवृत्तश्रवणं योश्चैव जवा नादि जालिंघनसंव
 नुश्रवणं यासु ॥ १ ॥ कृतिं संपादय वक्ष्ये वसंजहि ज
 हिनदि नदि अक्ष भान्न अन्नदंतसर्वदेववज्ज सा
 उल्लदेवी सिनीतय रुयनसंदाव ॥ २ ॥ त्रिहवन
 तस्मिन् कृवाव वा शो गनि र्ववनन वना ढसं पुसाव
 कृवायनं रुवा जालिंघन वक्ष्ये ३४ ॥

वदन्त्याव उचकाकावा ॥ ३ ॥ आदिनि संज्ञात गृत्वा व
 न तत्कायं कृदिता वराव अथा वक्ष्ये वसं संपादय
 वंधन कृदिता वराव यमाव अतिथि संदाव ॥ ४ ॥ ॐ ॥
 वागना ॥ वक्तु वक्ष्ये निवायन सुड वा शो अक्षो गदक्ष
 रुज पुद वधा कि वला ॥ ५ ॥ तस्मिन् देवा वा वक्षि स

३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०

हा मा म कि द वा २ ज ग न पु मा दि व म य न स वा हा ॥ १ ॥
 ॥ आ ग स व द प वा न व वा न २ ज ग ध व म दि क्रा ग व उ प
 द ज ॥ २ ॥ यं क व द ॥ स्व न व प श व स २ स या व ज
 मि ना सा य ह व ज न ह व ज ॥ ३ ॥ हा न ग व व न ध सि
 च ग न ध वि या श न यि श वा क व ज स वा स व यी ॥ ४ ॥

॥ १ ॥ वा ग ल वि ॥ अ नु क व न थ वं का व ल वा क ल र प
 वि लि न वि वि न क ल स २ ३ ॥ अ क का व व ज ॥ म न म द कं स क स
 ॥ अ धि न ज्ञान म न स थं ॥ ४ ॥ व द म न य वा धि रु व द य कं स
 व जि न व यो यि न स र ज क ल स २ ३ ॥ ग न म ल ग वि धि न गु न क न
 म न वं स सा न ना स न वि ल क न यं ॥ १ ॥ व ज य व सा न म य ग धा

वि न क व ॥ १ ॥

म्कजं संशुक्तं भस्वमाधि नयं चयीययं रङ्गं जानमं प्रयच्छग
 वेधवजसंस्तुयिनवियाकलसं ॥ २ ॥ घनमस्तुक्तवययतावं
 आकाशमदाकिनिजलैवेयं रमटिगिताधावनदवगावकु
 ह्नानसत्वमानियहृदिजकलर्ग ॥ ३ ॥ यायादिआचसनदा
 नयनिसुनंसमयसत्वयुधगिनवित्तदकलग्नमस्तुतागड

वित्तयंवाधिविरुत्तयंसमयसत्वज्ञानसत्वत्रुकिरुगं ॥ ४ ॥
 ॥ ० ॥ ॥ ~~॥~~ ॥ नागहोत्रवा ॥ नमो ह्येकावधनयधनरुख
 वृविसत्वउगाधन ॥ ५ ॥ गनाहं हं गनाहं हं रगनागनहं हं
 हं ॥ ६ ॥ दंदा आलिगमजगधनरवजयंसधैमदाधन ॥ ० ॥
 धवनस संखनदं हधनरसुनदसुयायवधमन ॥ ७ ॥ माया

नमो ह्येकावधनयधनरुख